p>

Regarding alleged suicide of an engineering student.

श्री शरद त्रिपाठी (संत कबीर नगर): सभापति महोदय, आज मैं बहुत ही गंभीर विषय को देश के सामने लाना चाहता हूं। अभी बीते दिनों रोहित वेमुला पर बहुत चर्चा हुई। हमें भी पीड़ा है कि देश का एक कर्णधार परिस्थितिवश चला गया। उसी समय 27 फरवरी को लखनऊ में लक्केश मिश्रा नामक एक छात्र ने वहां के प्रशासन अर्थात हेड ऑफ डिपार्टमेंट के प्रताड़ना से मजबूर होकर सुसाइड कर लिया। वह बी.एन.कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग में पढ़ता था। चार पन्नों का सुसाइड नोट इतना हृदयविदारक है कि हेड ऑफ डिपार्टमेंट ने फीस नहीं जमा करने के कारण इतना प्रताड़ित किया गया कि उसे सुसाइड करना पड़ा। यह अत्यंत पीड़ा का विषय है कि अगर उसके नाम के आगे अखलाख, खालिद या रोहित वेमुला की तरह उसके ऊपर वोट की राजनीति की जाती और देश के सामने तमाशा खड़ा किया जाता कि हम बहुत ही गंभीर हैं तो शायद वह भी देश के परिदृश्य पर लोगों के सामने आ जाता। यह आश्चर्य की बात है कि वह लड़का आजमगढ़ का रहने वाला था, इस समय उत्तर प्रदेश में जिनकी सरकार है उसके सर्वेसर्वा आदरणीय मुलायम सिंह यादव जी, समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष भी हैं और वह लड़का उनके संसदीय क्षेत्र का रहने वाला है। मैं आपके माध्यम से जानना चाहता हूं कि देश इस बारे में भी समझे और जाने क्या अब धर्म, जाति और मजहब के आधार पर पीड़ा का आकलन किया जाएगा। आज पीड़ा को भी वोट का व्यापार बनाया जा रहा है। पीड़ा पर जो वोट की राजनीति कर रहे हैं उनको इस पर सोचना चाहिए। यह बहुत ही गंभीर विषय है और इस पर कठोर कार्रवाई करनी चाहिए।

माननीय सभापति : श्री चन्द्र प्रकाश जोशी, श्री भैरों प्रसाद मिश्र, श्री जगदम्बिका पाल और डॉ. मनोज राजोरिया को श्री शरद त्रिपाठी द्वारा उठाए गए विषय के साथ संबद्ध करने की अनुमति प्रदान की जाती है।

21.00 hours